100पर्यायवाची शब्द:

हिंदी व्याकरण में हम संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण ,अलंकार, अवयव, निबंध लेखन, शब्द परिचय, मुहावरे परयायवाची आदि पढ़ते हैं, यह सभी हिंदी व्याकरण की नींव होते हैं।परयायवाची शब्द हिंदी व्याकरण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

❖ परयायवाची शब्द किसे कहते हैं?

जो शब्द समान अर्थ के कारण किसी दूसरे शब्द का स्थान ग्रहण कर लेते हैं उन्हें पर्यायवाची शब्द कहते हैं या समान अर्थ प्रदान करने वाले शब्द पर्यायवाची शब्द अथवा समानार्थक शब्द कहलाते हैं।

❑ 100 पर्यायवाची शब्द:

1) अतिथि - मेहमान ,पाहुन ,आगंतुक, अभ्यागत।
2) अश्व- घोड़ा,आशुविमानक, तुरंग, घोटक, हय, तुरंगम, वाजि, सैंधव, रविपुत्र।
3) अधर्म - पाप ,अनाचार, अनीत, अन्याय, अपकर्म, जुल्म।
4) अचल - अडिग ,अटल ,स्थिर ,दृढ, अविचल।
5) अनुपम- अनोखा, अनूठा, अपूर्व, अद्भुत, अद्वितीय, अतुल।
6) अमृत- मधु, सुधा, पीयूष ,अमी, सोम ,सुरभोग।
7) अंबा - माता, जननी, मां, जन्मदात्री, प्रसूता।
8) आयुष्मान- चिरंजीवी, दीर्घ, जीवी, शतायु ,दीर्घायु।
9) आदर्श- प्रतिमान, मानक, प्रतिरूप ,नमूना।
10) इंद्र- पुरंदर, शक्र, शचिपति, सुरपति, देवराज, मघवा, देवेश, शतक्रतु, सुत्रामा, वासव, सुरेश, वृहत्रा, अमरपति, पर्वतारि, वीडौजा, कौशिक, शतमन्यु।
11) इंद्रधनुष- सूरधनु, इंद्रायुध, शक्रचाप, सप्तवर्ण।
12) इंद्राणी- पुलोमजा, शची, इन्द्रा, इंद्रवधू, ऐन्द्री।
13) ईर्ष्या- स्पर्धा,मत्सर, डाह, जलन, कुढ़न।
14) उत्पत्ति- उद्भव, जन्म, जनन, आविर्भाव ।
15) उपदेश- दीक्षा, नसीहत, सीख, शिक्षा, निर्देशन।
16) ऐश्वर्य- वैभव संपन्नता धन-संपत्ति श्री महत्ता विभूति बड़प्पन समृद्धि दौलत।
17) एकांत - निर्जन सुनसान शून्य।
18) ओजस्वी- बलिष्ठ बलशाली बलवान ओजशाली शक्तिमान तेजस्वी।
19) औषधि- दवा, दवाई, भेषज।
20) कर्ण - सूर्यपुत्र, राधेय, कौन्तेय, पार्थ, अंगराज, सूतपुत्र।
21) कनक- कंचन, सुवर्ण, हिरण्य, हेम, हाटक, सोना, स्वर्ण।
22) कपोत - कबूतर, हारीत, पारावत, परेवा, रक्तलोचन।
23) कपड़ा- अंबर, पट, पोशाक, लिबास, दुकूल, परिधान,चीर, वसन, वस्त्र।
24) कमल- जलज, पंकज, अम्बुज, सरोज, शतदल, नीरज, इन्दीवर, सरसिज, अरविन्द, नलिन, उत्पल, सारंग, शतपत्र, राजीव, पद्म, अब्ज, पुण्डरीक,सरसीरुह, वारिज, कुशेशय।

नोट: क्या आप जानते हैं, यदि किसी भी जल के पर्यायवाची के आखिर में 'ज' वर्ण जोड़ दिया जाए तो वह "कमल" का पर्यायवाची बन जाता है ।

25) कली- कलिका, मुकुल, कुडमल, डअॅडी, गुंचा, कोरक।

26) कपूर- घनसार, हिमवालुका।
27) कर- हाथ, हस्त, बाहु, पाणि, भुज।
28) कर्तव्य- कर्म, कृत्य, विधेय।
29) कान्ति- प्रकाश, आलोक, उजाला, दीप्ति, छवि, सुषमा,आभा, प्रभा, छटा, द्युति।
30) कामदेव- मदन, काम, कंदर्प, मनोज, स्मर, मीनकेतु, मनसिज, मार, रतिपति, मन्मथ, अनंग, शंबरारि,कसुमेष, पुष्पधन्वा।
31) किरण - अंशु, रश्मि, कला, कर, गो, प्रभा, दीधिति, मयूख, मरीचि।
32) किनारा - तट, कूल, तीर, कगार, पुलिन।
33) कुत्ता- सारमेय, सोनहा, शुनक, गंडक, कुकर, श्वान,कुक्कुर।
34) केला- कदली, भानुफल, गजवसा, कुंजरासरा, मोचा, रम्भा।
35) कौआ- काक, वायस, काण, काग, बलिपुष्ट, करकट,पिशुन।
36) कंठ- गला, शिरोधरा, ग्रीवा, गर्दन।
37) कुबेर - धनद, यक्षराज, धनाधिप, यक्षपति, किन्नरेश, राजराज, धनेश।
38) खेल- क्रीड़ा, केलि, तमाशा, करतब।
39) खिड़की- रोशनदान, बारी, दरीचा, वातायन,गवाक्ष,झरोखा।
40) गरुड़- खगेश, खगपति, नागांतक, सुपर्ण, वैनतेय।
41) गाय- भद्रा, गौरी, सुरभी, धेनु, गऊ, गौ,गैया, पयस्विनी,दोग्धी।
42) गंगा- देवनदी, भागीरथी, सुरसरिता, जाह्नवी, मन्दाकिनी विष्णुपदी, सुरसरि, देवपगा, त्रिपथगा, सुरधुनी।
43) गन्ना- ईक्षु, ऊख, ईख, प ंड़ा।
44) गणेश- गणपति, गजवदन, मूषकवाहन, लम्बोदर . विनायक, गजानन, भवानीनन्दन।
45) गुप्त- गूढ़, रहस्यपूर्ण, परोक्ष, छिपा।
46) गेंद - कन्दुक, गिरिक, गेन्दुक।
47) गधा -खर, वैशाखनन्दन, गर्दभ, रासभ, लम्बकर्ण,धूसर।
48) गीदड़ -नचक, शिवां, सियार, जंबुक, श्रृंगाल।
49) गोद - पार्श्व, अंक, उत्संग, गोदी, क्रोड।
50) घड़ा- घट, कलश, कुंभ, घटक, कुट।
51) घी- हव्य, अमृतसार, क्षीरसार, आज्य।
52) घास- शष्प, शाद, शाद्वल, तृण, दूर्वा, दूब।
53) घृणा- अरुचि, नफरत, जुगुप्सा, अनिच्छा, विरति, घिन।
54) चाँदनी- चंद्रिका, कौमुदी, हिमकर, अमृतद्रव, उजियारी,ज्योत्स्ना, चन्द्रमरीचि, कलानिधि।
55) चंदन- श्रीखण्ड, गंधराज, गंधसार,मंगल्य, हरिगंध, मलय, दिव्यगंध, मलयज, दारूसार।
56) चर्म- खाल, चमड़ी, त्वचा, त्वक्।
57) चाँदी- जातरूप, रजत, रुपक, रूपा, कलधौत, रूप्य, खर्जूर।
58) चूहा- खंजक, इन्दुर, मूषक, आखु, गणेशवाहन, मूसा।
59) चोर- तस्कर, रजनीचर, मोषक, कुंभिल, साहसिक,दस्यु ।
60) चोटी- श्रृंग, कूट, शिखा, शिखर, शीर्ष, चूड़ा।
61) चाँद - चन्द्र, चन्द्रमा, शशि, सोम, विधु, राकेश, शशांक, मयंक, रजनीश, महाताब, तारकेश्वर।
62) छाछ- गोरस, मठा, दधि स्वेद, मट्ठा।
63) छुट्टी- अवकाश, फुर्सत, विश्राम, विराम, रुखसत।
64) जल- नीर, सलिल, जीवन, तोय, उदक, पानी, पय,अंबु, अंभ, रस, आप, आब, वारि ।
65) जिह्वा- जीभ, रसज्ञा, रसा, जबान, रसिका, रसना, वाचा।
66) जगत- विश्व, दुनिया, जगती, संसार, भव, जग, जहान्, लोक।
67) जहर- हलाहल, विष, गरल, कालकूट, गर।
68) झंडा- पताका, केतु, निसान, ध्वज, केतन, वैजयंती।
69) झूठ- मिथ्या, अनृत, मृषा, असत्य।
70) झरना- स्रोत, झर, प्रपात, सोता, निर्झर।
71) डरावना- भयंकर, भीषण, करालै।
72) तलवार- खड़ग, करवाल, कृपाण, चन्द्रहास, असि, खंग, शमशीर, खंजर ।
73) तालाब- तड़ाग, सर, जलाशय, सरसि,ताल,पद्माकर, पुष्कर, सरोवर।

74) तांबा- रक्तधातु, ताम्र, तामा, ताम्रक।
75) तरकस- तूणीर, निषंग, तूणी, उपासंग, इषुधि।
76) तारा- तारक, नक्षत्र, तारिका नखत उडुगन सितारा।
77) तरुण- युवा,जवान, युवक।
78) तोता- शुक, सुआ, सुग्गा, कोर, सुअरा, दाडिमप्रिय, रक्ततुंड।
79) थोड़ा- स्वल्प, अल्प, किंचित्, परिमित, लघु, कम।
80) थन- कुच, स्तन, वक्षोज, उरोज, पयोधर।
81) दीपक- प्रदीप, दीप, दीया, ज्योति, चिराग।
82) दूध- पय, क्षीर, गोरस, दुग्ध स्तन्य।
83) द्रौपदी- कृष्णा, पांचाली, सैरंध्री, याज्ञसेनी।
84) दुःख- व्यथा, क्लेश, पीड़ा, कष्ट, संताप, वेदना ।
85) देवता- वृंदारक, अजर, निर्जर, अमर्त्य, अमर, देव, सुर, विबुध, आदित्य।
86) दुर्जन- पामर, खल, बदमाश, दुष्ट ।
87) दिन- अहः, दिवस, वासर, दिवा, वार।
88) दया- कृपा, अनुकंपा, करुणा, अनुग्रह।
89) धनुष- चाप, धनु, कार्मुक, कमान, शरासन, कोदंड, विशिखासन।
90) धूप- घाम, धर्म, निदाघ, आतप, रविप्रभा।
91) धन- अर्थ, वित्त, पूँजी, द्रव्य, संपदा, सम्पत्ति, राशि, मुद्रा।
92) नियति- प्रारब्ध, भाग्य, दैव्य, भावी, होनी।
93) पृथ्वी- भूमि ,अचला, अनंता ,रसा, विश्वंभरा ,स्थिरा ,धरा ,धरित्री, धरनी ,ज्या, काश्यपि, क्षिति, वसुमति, वसुधा, वसुंधरा ,गोधरा, कुः, पृथिवी ,अवनी ,मेदिनी ,मही, विपुला, गह्वरी, धात्री ,गो, ईला, कुम्भिनी, भूतधात्री ,रतनगर्भा, जगती, अंबरा।
94) पर्वत -पहाड़, गिरि, अद्रि, महीधर, भूधर, अचल, शैल, धरणीधर, नग।
95) नदी - सरिता, वाहिनी, अपगा, शैवालिनी, शैलजा, सिंधुगामिनी,तरंगिणी, स्रोतस्विनी, तटिनी।
96) नम्र- सुशील, शिष्ट, विनीत, विनयशील, विनयी।
97) नाव- नौका, नौ, जलयान, बेड़ी, डअॅगी, नैया, तरिणी,तरी, जल वाहन।
98) नारद- ब्रह्मर्षि, ब्रह्म-पुत्र, देवर्षि, ब्रह्मर्ष।
99) पत्थर- पाषाण पाहन, उपल, अश्म, शिला, प्रस्तर।
100) बादल- पयोधर, मेघ, जलधर, बलाहक, अंबुद, वारिद, पयोद, नीरद, घन, जलद, वारिवाह।

नोट: क्या आप जानते हैं, पानी के किसी भी पर्यायवाची के आखिर में 'द' वर्ण लगा दिया जाए तो वह "बादल" का पर्यायवाची बन जाता है ।

उम्मीद है, पर्यायवाची शब्द आप के काम आए हअॅगे और भी जानकारी के लिए Leverage Edu के एक्सपोर्ट्स आपकी सहायता करेंगे और यदि आप विदेश में पढ़ने की इच्छुक है तो Leverage Edu से संपर्क करें एक्सपट्र्स आपकी इसमें सहायता करेंगे।